



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 123]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 21, 1994/फाल्गुन 30, 1915

No. 123]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 21, 1994/PHALGUNA 30, 1915

मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(महिला और बाल विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1994

पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 के मामले में

और

राष्ट्रीय शिक्षक निधि के मामले में

का.आ. 236(अ).—सचिव, महिला और बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने, जो राष्ट्रीय शिक्षक निधि, नई दिल्ली की निधियों को, पूर्व प्रयोजनों के लिए न्यास में लगाने का प्रस्ताव करते हैं, इसके साथ उपावद्ध अनुसूची "क" में उल्लिखित निधियों को भारत के पूर्व विन्यास कोषाध्यक्ष में निहित करने तथा उक्त निधियों के प्रशासन के लिए एक स्कीम के परिनिर्धारण के लिए आवेदन किया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 4 और धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पूर्वोक्त आवेदन पर तथा सचिव,

महिला और बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहमति से, यह आदेश देती है कि इससे उपावद्ध अनुसूची "क" में उपवर्णित धन, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से, भारत के पूर्व विन्यास कोषाध्यक्ष में निहित होगा, और वह तथा उसके पद में उत्तरवर्ती उक्त धन तथा उसकी आय को न्यास और उक्त निधियों के प्रशासन के लिए इससे उपावद्ध अनुसूची "ख" में दी गई स्कीम में उपवर्णित निबंधनों के अनुसार धारण करने के लिए न्यास पर धारण करेंगे।

और यह अधिसूचित किया जाता है कि इससे उपावद्ध अनुसूची "ख" में दी गई स्कीम उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (1) के अधीन उक्त उक्त निधियों के प्रशासन के लिए परिनिर्धारित की गई है और उक्त अधिनियम की धारा 5 की उपधारा (3) के अधीन यह और आदेश किया जाता है कि यह तुरन्त प्रभावी होगी ;

अनुसूची "क"

महिला और बाल विकास विभाग, भारत सरकार के योजना बजट से राष्ट्रीय शिक्षक निधि की निधियों में किया गया उम्मीस करोड़ नब्बे लाख रुपए का अभिदाय।

अनुसूची "ख"

राष्ट्रीय शिक्षक शिक्ष निधि के प्रशासन के लिए स्कीम

1. इस स्कीम का संक्षिप्त नाम राष्ट्रीय शिक्षक शिक्ष निधि स्कीम, 1994 है।

2. निधि का नाम :—एक निधि होगी जिसका नाम राष्ट्रीय शिक्षक शिक्ष निधि होगा।

3. परिभाषाएं :—इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "बोर्ड" से इस स्कीम के पैरा 6 के अधीन गठित प्रबन्ध बोर्ड अभिप्रेत है ;

(ख) "निधि" से राष्ट्रीय शिक्षक शिक्ष निधि अभिप्रेत है।

4. निधि के उद्देश्य :—निधि के उद्देश्य निम्नलिखित होंगे :

(i) विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और ग्रामीण गंदी बस्तियों में पांच वर्ष से कम की आयु के ऐसे बच्चों के कल्याण और विकास के लिए जिनके माता-पिता की मासिक आय 1800/- रुपये से अधिक नहीं है, जो कृषि श्रमिकों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के बच्चे हैं जो रोजगार जनन स्कीमों में जैसे कि महिला प्रशिक्षण और रोजगार कार्यक्रम समर्थन (स्टेप) में तथा नार्सेजियन अन्तरराष्ट्रीय विकास अभिकरण (नोराड) में नियोजित हैं तथा ऐसे कुटुम्बों के बच्चे हैं जो साम्प्रदायिक हिंसा के शिकार हुए हैं, शिक्षक कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वैच्छिक संगठनों, महिला मंडलों और राज्य सरकारों को सहायता अनुदान का संघाय करने के लिए निधि की निधियों का प्रशासन उद्योजन करना ;

(ii) कुछ आंगनबाड़ियों को आंगनबाड़ी सह शिक्षक में संपरिवर्तित करना ;

(iii) विशेषज्ञीय प्रशिक्षण संस्थाओं के माध्यम से शिक्षक कर्मचारों के लिए प्रशिक्षण पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम का आयोजन करना ;

(iv) ऐसे क्रियाकलापों को अपनाना जो उपरोक्त उद्देश्यों को बढ़ावा देता है तथा ऐसी सभी अन्य बातें करना जो उपरोक्त उद्देश्यों के आनु-वर्गिक और सहायक हैं।

5. विस्तार :— निधि के उद्देश्यों का विस्तार जम्मू-कश्मीर राज्य के सिवाए संपूर्ण भारत पर होगा।

6. प्रबन्ध बोर्ड :—निधि की निधियों के प्रबन्ध और प्रशासन के लिए एक प्रबन्ध बोर्ड का गठन किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् :—

अध्यक्ष (पदेन)

(क) महिला और बाल विकास राज्य मंत्री कार्यवाहक अध्यक्ष

(ख) सचिव, महिला और बाल विकास विभाग अन्य सदस्य

(ग) संयुक्त सचिव, भारसाधक पोषण और बाल विकास महिला और बाल विकास विभाग

(घ) संयुक्त सचिव, व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार

(ङ) निदेशक, राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान

(च) कार्यपालक निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड सदस्य-सचिव

(छ) उप सचिव/निदेशक, महिला और बाल विकास विभाग, शिक्षक-शिक्ष स्कीम का भारसाधक

7. गणपूर्ति :— (1) बोर्ड के अधिवेशन के लिए गणपूर्ति चार सदस्यों की होगी। (1) अधिवेशन में बोर्ड का प्रत्येक विनिश्चय उत्पत्ति और उस प्रश्न पर मत देने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा अवधारित किया जाएगा और मत बराबर होने की दशा में अध्यक्ष का निर्णायक मत होगा।

8. बोर्ड का कारबार संचालन :—(1) बोर्ड अपने गठन में किसी रिक्ति के होते हुए भी कृत्य कर सकेगा।

(2) इसमें अंतर्बिष्ट उपबंधों के अधीन रहते हुए, बोर्ड केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, अपने कारबार के संचालन के लिए उपविधियां विरचित कर सकेगा और जैसा वो ठीक समझे समय-समय पर परिवर्तित कर सकेगा।

9. आस्तियों का निहित होना :—निधि की आस्तियां भारत के पूर्व विन्यास कोषाध्यक्ष में निहित होंगी।

10. उप-विधि की विरचना :—बोर्ड, केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से, समय-समय पर :—

(1) अधिकारियों के विनियमन, प्रबंध, नियुक्ति और उनके निबंधनों और शर्तों के लिए और निधि की निधियों के निष्पादन और प्रबंध से संबंध किसी अन्य प्रयोजन के लिए; और

(2) बोर्ड के कार्य के संचालन के लिए ,

उप-विधि बना सकेगा।

11. विनिधान :—(क) बोर्ड, सम्पत्ति के विक्रय या अन्य व्ययन के आगमों और किसी ऐसे धन या सम्पत्ति को जिसका निधि के उद्देश्य के लिए उपयोग होने की तत्काल अपेक्षा नहीं है, न्यास धन के विनिधान के लिए विधि द्वारा तत्समय प्राधिकृत विनिधान की किसी एक या अधिक रीति में, जैसा बोर्ड उचित समझे, विनिहित करेगा;

(ख) ऐसी निधियों का अल्पकालिक विनिधान जिनकी तत्काल अपेक्षा नहीं है, राष्ट्रीयकृत बैंकों में नियतकालिक जमा/जमा प्रमाणपत्र या ऐसे अन्य स्कीम में, जैसा बोर्ड द्वारा विनिश्चित की जाए, विनिहित किया जा सकेगा।

12. शक्तियों का प्रत्यायोजन :—(1) बोर्ड उप-विधि विरचित करने की शक्ति को छोड़कर बोर्ड के किसी एक या अधिक सदस्य को अपनी किन्हीं शक्तियों को प्रत्यायोजित कर सकेगा।

(2) बोर्ड एक या अधिक सदस्यों को, अपनी ऐसी शक्तियाँ भी प्रत्यायोजित कर सकेगा जो बोर्ड की राय में, केवल अनुसचिवीय कार्य है और जिसमें कोई विवेक अंतर्गस्त नहीं है या जो आवश्यक और सामान्य प्रथा के अनुरूप है।

13. सदस्य सचिव द्वारा लेखा रखा जाना :—निधि में धन का नियमित लेखा सदस्य-सचिव द्वारा रखा जाएगा।

14. संविदाएं :—सभी संविदाओं और अन्य आश्वासनों का निष्पादन बोर्ड के नाम से होगा और उनकी ओर से संयुक्त सचिव, भारसाधक पोषण और बाल विकास, महिला और बाल विकास विभाग या बोर्ड द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अन्य सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा।

15. अतिरिक्त विन्यासों की प्राप्ति :—(1) बोर्ड किसी एक उद्देश्य और निधि के साधारण प्रयोजन के संबंध में कोई विन्यास, दान या अन्य अभिदाय प्राप्त कर सकेगा।

(2) बोर्ड, इस स्कीम से संबद्ध किन्हीं विशेष प्रयोजनों के लिए जो इस स्कीम के उपबंधों से असंगत न हों या उसके सम्यक् कार्यकरण में अड़चन डालने के लिए प्रकल्पित न हों, कोई विन्यास, दान या अन्य अभिदाय भी प्राप्त कर सकेगा।

16. वित्तीय सहायता के लिए पात्रता :—राज्य सरकार, बाल कल्याण के क्षेत्र में सेवा के ज्ञात रिकार्ड वाले और सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अधीन रजिस्ट्रीकृत या कम से कम पिछले दो वर्ष से लोक न्यास के रूप में रजिस्ट्रीकृत स्वैच्छिक संगठन या महिला मंडल इस निधि से वित्तीय सहायता के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे।

17. बोर्ड को आवेदन :—स्वैच्छिक संगठनों और महिला मंडलों द्वारा निधि से वित्तीय सहायता के लिए सभी आवेदन इस स्कीम से उपाबद्ध परिशिष्ट-2 में विनिर्दिष्ट प्ररूप में होंगे।

18. वित्तीय सहायता की परिसीमा :—(1) स्वैच्छिक संगठनों, राज्य सरकारों और महिला मंडलों को वित्तीय सहायता, चल रहे साधारण शिशु कक्ष केन्द्रों के आवर्ती व्यय के लिए (अधिकतम 25 बच्चों के लिए) प्रति शिशु कक्ष 18,480/- रुपए प्रति वर्ष और चल रहे आंगनवाड़ी सह-शिशु कक्ष केन्द्रों के लिए प्रति वर्ष प्रति शिशु कक्ष 8,100/- रुपए तक सीमित होगी।

(2) किसी शिशु कक्ष की स्थापना की प्रारंभिक लागत की पूर्ति के लिए प्रति शिशु कक्ष 4000/- रुपए एक बार अनावर्ती अनुदान अनुज्ञात किया जाएगा।

(3) साधारण प्रवर्ग के अधीन खुले शिशु कक्षों के लिए सरकारी सहायता योजनाबद्ध पैटर्न (शिशु कक्ष कर्मचारियों के मानदेय के सिवाय) या वास्तविक व्यय के जो भी कम हों, 90 प्रतिशत तक सीमित होगी और शेष व्यय संबंधित संगठन/महिला मंडल द्वारा वहन किया जाएगा।

(4) आंगनवाड़ी सह-शिशु कक्ष केन्द्र ऐसे अभिकरणों द्वारा, जो एकीकृत बाल विकास सेवाएं (ए. बा. वि. से.) चलाते हैं, चलाए जाएंगे।

(5) शिशु-कक्षों के दोनों प्रवर्गों के लिए योजनाबद्ध पैटर्न सहायता इस स्कीम से उपाबद्ध परिशिष्ट-3 और 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

19. वित्तीय सहायता के लिए पात्र कार्यक्रम :—ऐसे कार्यक्रम, जो विभिन्न श्रम विधियों के अधीन सहायता के पात्र हैं, इस स्कीम के अधीन किसी वित्तीय सहायता के लिए साधारणतः अर्ह नहीं होंगे।

20. आवेदन पर विचार :—राष्ट्रीय शिशु कक्ष निधि से वित्तीय सहायता के लिए सभी आवेदनों पर बोर्ड द्वारा विचार किया जाएगा और निपटान किया जाएगा और जहां बोर्ड का अधिवेशन किसी कारणवश शीघ्र नहीं हो रहा है, वहां इस प्रकार प्राप्त आवेदन पर ऐसी समिति द्वारा जो, कार्यवाहक अध्यक्ष और बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा नामनिर्दिष्ट दो अन्य सदस्यों से मिल कर बनी है, विचार किया जा सकेगा और निपटान किया जा सकेगा।

परंतु किसी ऐसे आवेदन पर इस प्रकार विचार करने से पूर्व, कार्यवाहक अध्यक्ष, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, ऐसे आवेदन को उस पर अपना विचार व्यक्त करने के लिए संबंधित राज्य सरकार या किसी अन्य निकाय को निर्दिष्ट कर सकेगा।

21. अनुदान रोकने की शक्ति :—बोर्ड का कार्यवाहक अध्यक्ष या अध्यक्ष, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, और इसके लिए कारण निधि अभिलेखबद्ध करते हुए, स्कीम के अधीन दिए गए किसी असंवितरित अनुदान को चाहे वे आवर्ती या अनावर्ती प्रकृति के हों, विधायित कर सकेगा या कम कर सकेगा।

22. वित्तीय सहायता की शर्तें: किसी स्वैच्छिक संगठन या महिला मंडल को वित्तीय सहायता की यह शर्त होगी कि, यथास्थिति, स्वैच्छिक संगठन या महिला मंडल सभी अनुदानों का अलग अलग लेखा रखे, नियत समय के भीतर अनुदानों का पूरा लेखा-जोखा दे, इस निमित्त विनिर्दिष्ट समय पर उपयोजन प्रमाणपत्र प्रस्तुत करें, नियत समय के भीतर प्राप्त अनुदानों का संपरीक्षित लेखा उपलब्ध कराए, और शिक्षण निधि के अधिकारियों या ऐसे अन्य अधिकारियों को, जो इस निमित्त प्राधिकृत किए जाएं, निष्पादित कार्यक्रम या ऐसे संगठन द्वारा रखे गए बहियों के निरीक्षण में सहायता करे।

23. सदस्यता की अवधि: बोर्ड का कोई सदस्य तब सदस्य नहीं रहेगा यदि वह मर जाता है या अपनी सदस्यता त्याग देता है या विकृत चित्त या दिवालिया हो जाता है या नैतिक अधमता से अंतर्ग्रस्त दंडिक अपराध के लिए दोषसिद्ध किया जाता है।

24. बोर्ड के अधिवेशन: (1) बोर्ड के अधिवेशनों की अध्यक्षता कार्यवाहक अध्यक्ष या उसकी अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा की जाएगी। (2) बोर्ड के अधिवेशन निधि के कार-बार के संव्यवहार के लिए उतने शीघ्र होंगे जितना करना आवश्यक है और किसी भी दशा में कम से कम वर्ष में एक बार होंगे।

25. सदस्य सचिव की शक्तियाँ और कृत्य: सदस्य सचिव के निम्नलिखित कर्तव्य होंगे :-

- (क) बोर्ड के सभी अभिलेखों का अभिरक्षक होना;
- (ख) बोर्ड की ओर से कार्यालयीय पत्र-व्यवहार संपादित करना;
- (ग) बोर्ड के अधिवेशनों को करने के लिए सभी सूचना जारी करना;
- (घ) बोर्ड के और ऐसे निकायों के सभी अधिवेशनों के कार्यवृत्त रखना, जिनके अधिवेशनों को आयोजित करने का उसका उत्तरदायित्व है;
- (ङ) निधि की संपत्तियों और निधियों का प्रबन्ध करना; बोर्ड के लेखाओं को बनाए रखना और बोर्ड की ओर से सभी संविदाओं को निष्पादित करना;
- (च) ऐसी सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग और ऐसे अन्य कृत्यों का निष्पादन करना जो उसे बोर्ड द्वारा सौंपे जाएं।

26. निधि की आस्तियाँ: ऐसी धनराशि के अतिरिक्त जिसकी विशिष्टियाँ इस अधिसूचन की अनुसूची-क में दी गई हैं, निधि की आस्तियों के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों अथवा केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किसी अन्य कानूनी या अकानूनी

निकायों से प्राप्त आवर्ती और अनावर्ती ऐसे सभी अनुदान और अभिदाय सम्मिलित होंगे और साथ ही किन्हीं अन्य स्रोतों से प्राप्त ऐसे स्वैच्छिक दान और विन्यास जब भी प्राप्त किए जाएं भी सम्मिलित होंगे।

27. निधियों का आबंटन:—बोर्ड, समय-समय पर अपने व्ययनामों कुल निधि का ऐसा अनुपात अवधारित कर सकेगा जिसका किसी विशिष्ट वित्तीय वर्ष में इस स्कीम के प्रयोजन के लिए उपयोजन किया जाएगा।

28. निधियों का निक्षेप:—निधि की सभी धनराशि प्रारंभ में भारतीय स्टेट बैंक या उसकी किसी समनुपंगी या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खोले जाने वाले बोर्ड के खाते में जमा कराई जाएगी।

29. निधियों का निकाला जाना (1):—बोर्ड के खाने से निधि का निकाला जाना बोर्ड द्वारा अवधारित की जानी वाली रीति से विनियमित होगा।

(2) पांच हजार रुपये से अधिक तक की रकम के मामले में सदस्य-सचिव द्वारा हस्ताक्षरित और अन्य मामलों में सदस्य-सचिव तथा बोर्ड द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले बोर्ड के किसी अन्य सदस्य द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित (यथास्थिति) चेक या अव्यपेक्षा द्वारा ऐसी रकम निकाली जाएगी।

30. प्रशासनिक व्यय:—बोर्ड द्वारा प्रशासनिक व्यय जैसे उनके अधिकारियों और कर्मचारियों के वेतन, भत्तों और यात्रा भत्तों तथा दैनिक भत्तों और सदस्यों के यात्रा भत्तों तथा दैनिक भत्तों पर उपगत व्यय निधि की निधियों पर विधि सम्मत प्रभार होगा।

31. कर्मचारिवृंद की नियुक्ति:—(1) बोर्ड अपने कृत्यों के निर्वहन के लिए ऐसे कर्मचारिवृंद नियुक्त कर सकेगा जो वह आवश्यक समझे।

(3) कर्मचारिवृंद की सेवा के निबंधन और शर्तें बोर्ड द्वारा बनाई गई उपविधियों द्वारा अवधारित की जाएंगी।

32. सदस्यों और अधिकारियों को पारिश्रमिक:—(1) बोर्ड द्वारा अवधारित की जाने वाली दरों पर यात्रा और दैनिक भत्ता के सिवाय बोर्ड के सदस्यों में से किसी को कोई पारिश्रमिक संदत्त नहीं किया जाएगा।

(2) बोर्ड के शासकीय सदस्य उस स्रोत से जिससे वे अपना वेतन प्राप्त करते हैं, उनको अनुज्ञेय यात्रा और दैनिक भत्ता प्राप्त करेंगे।

(3) बोर्ड के अशासकीय सदस्य और इसके अधिकारियों के कर्मचारिवृंद ऐसा पारिश्रमिक और यात्रा तथा अन्य भत्ते प्राप्त करने के हकदार होंगे जो बोर्ड द्वारा बनाई गई उप-विधियों द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

33. लेखा और लेखापरीक्षा : (1) विधि की सभी धन राशियों और संपत्तियों का तथा उनकी आय और व्यय के नियमित लेखे रखे जाएंगे और उनकी चार्टर्ड एकाउंटेंट की किसी फर्म या ऐसे किसी अन्य मान्यताप्राप्त प्राधिकारी द्वारा जो बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाए, लेखापरीक्षा की जाएगी। लेखापरीक्षक यह भी प्रमाणित करेगा कि निधि की निधियों से व्यय, निधि के उद्देश्यों के अनुसार सही उभगत किया गया है।

(2) लेखापरीक्षक द्वारा सम्पन्न रूप से संपरीक्षित और प्रमाणित निधि के वार्षिक लेखाओं की प्रतियां बोर्ड के सदस्य-सचिव द्वारा प्रत्येक वर्ष में भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएंगी।

34. वार्षिक रिपोर्टें : प्रत्येक वर्ष की शिशु-कक्ष निधि के कार्यकाल पर वार्षिक रिपोर्टें बोर्ड के सदस्य सचिव द्वारा तैयार की जाएंगी और बोर्ड के अनुमोदन के पश्चात् भारत सरकार को प्रस्तुत की जाएगी।

35. निधि के अधीन प्रस्तावों को तैयार करने के लिए साधारण मार्ग-दर्शक सिद्धांत परिशिष्ट-I के अनुसार होंगे।

[फा. सं. 1-8/91 डब्ल्यू एन सी]

मीनाक्षी आनन्द चौधरी, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट—I

शिशुकक्ष निधि के अधीन प्रस्तावों को तैयार करने के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत

(पैरा 35 देखिए)

राष्ट्रीय शिशुकक्ष निधि का उद्देश्य, अधिकांश रूप से समग्र निधि पर उद्भूत व्याज तथा आंशिक रूप से समग्र निधि के कुछ भाग में से स्वैच्छिक संगठनों/महिला मंडलों और राज्य सरकारों को अनुदान मंजूर करना है।

2. शिशुकक्ष निधि के अधीन सहायता समाज के निर्धन वर्गों के शिशुओं के लिए दी जाएगी। जिन माता पिता की आय 1800 रुपये प्रतिमास से अधिक नहीं है, उनके शिशु इसके लिए पात्र होंगे।

3. इस निधि के अधीन सहायता उन माता-पिता के लिए उपलब्ध नहीं है जिन्हें विभिन्न श्रम विधियों के अधीन इस प्रकार की सुविधाएं पहले से ही मिल रही हैं और जहां वर्तमान शिशुकक्ष स्कीम के अधीन शिशुकक्ष मौजूद हैं।

4. इस स्कीम के अधीन दो प्रकार के शिशुकक्षों को सहायता दी जाएगी, अर्थात् :—

(i) साधारण शिशुकक्ष-केन्द्रों, (ii) आंगनवाड़ी-सह-शिशुकक्ष केन्द्रों तथा इस स्कीम के साथ उपावद्ध के परिशिष्ट 3, 4, और 5 में दी गई योजनाबद्ध पैटर्न के अनुसार शिशु-कक्ष कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और पुनश्चर्चा के लिए।

5. (1) शिशुकक्षों को खोलने के लिए जिन स्वैच्छिक संगठनों और महिला मंडलों का चयन किया जाता है, उनको प्रवर्ग के अधीन आवर्ती व्यय के मद्दे (अधिकतम 25 शिशु) प्रति शिशुकक्ष 18,480 रुपये प्रति वर्ष और आंगनवाड़ी-सह-शिशुकक्ष केन्द्रों के संचालन के लिए प्रति शिशुकक्ष 8,100 रुपये प्रति वर्ष अनुदान को मंजूरी दी जाएगी।

(2) किसी शिशुकक्ष की स्थापना की प्रारंभिक लागत को पूरा करने के लिए 4,000 रुपये अनावर्ती अनुदान की भी मंजूरी की जाएगी।

6(1) साधारण प्रवर्ग के अधीन खोले गए शिशुकक्षों के लिए सहायता योजनाबद्ध पैटर्न के 90 प्रतिशत (शिशुकक्ष कार्यकर्ताओं के लिए मानदेय के सिवाय) या वास्तविक व्यय जो भी कम हो, तक सीमित रहेगी।

(2) आंगनवाड़ी सह-शिशुकक्ष केन्द्र के मामले में, संबद्ध अभिकरण को 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी।

7. साधारण प्रवर्ग के अधीन खोले गए शिशुकक्षों से दिन में देख-भाल सुविधाएं, पोषण, विद्यालय पूर्व शिक्षा, मनोरंजन और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा की जाएगी और ये सामान्यतः दिन में आठ घंटे काम करेंगे।

8(1) इन दिनों 4 घंटों कार्यरत जिन विद्यमान आंगनवाड़ी केन्द्रों को आंगनवाड़ी सह-शिशुकक्ष केन्द्रों में परिवर्तन करने का प्रस्ताव है वे भी आठ घंटे कार्यरत रहेंगे।

(2) शेष चार घंटों के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र चलाने के लिए अतिरिक्त कार्यकर्ताओं का प्रबन्ध किया जाएगा।

9. अनुदान के लिए आवेदन हमसे उपावद्ध प्रोकरामों में और निम्नलिखित दस्तावेजों के साथ सदस्य-सचिव, राष्ट्रीय शिशुकक्ष निधि मार्फत महिला और बाल विकास विभाग, प्रथम तल, जीवन दीप भवन, संसद् मार्ग, नई दिल्ली-110001 को भेजे जाने चाहिए :—

(i) राजपत्रित अधिकारी द्वारा सम्पन्न रूप से अनु-प्रमाणित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रति (अधिमानतः फोटो प्रति)

(ii) आवेदक द्वारा सम्पन्न रूप से हस्ताक्षरित/अनु-प्रमाणित संगठन के संगम शापन/उप-विधियों की प्रति।

(iii) प्रबन्ध समिति के सदस्यों की सूची जिसमें उनकी अर्हताओं और उपजीविकाओं के उल्लेख हों।

(iv) पिछले दो वर्षों की वार्षिक रिपोर्टें तथा संपरीक्षित लेखा विवरणों की आवेदक द्वारा सम्पन्न रूप से हस्ताक्षरित/अनुप्रमाणित प्रतियां।

परिशिष्ट II

राष्ट्रीय शिशु कक्ष निधि

(पैरा 17 देखिए)

महिला और बाल विकास विभाग

जीवन दीप भवन, नई दिल्ली

आवेदन-प्रारूप

1. संगठन का नाम और पता
.....
.....
2. संगठन की प्रकृति
3. संगठन की स्थापना की तारीख
4. संगठन के आरंभ से लेकर उसके क्रियाकलापों का संक्षिप्त इतिहास और संक्षिप्त विवरण
.....
5. क्या संगठन इस समय प्रयुक्त किसी विधि के अधीन रजिस्ट्रीकृत है। यदि ऐसा है, तो उसका ब्योरा दें
.....
6. क्या संगठन राष्ट्रीय/राज्य/जिला स्तर का है।
7. क्या संगठन को भारत सरकार के महिला और बाल विकास विभाग या कल्याण मंत्रालय से संगठनात्मक सहायता प्राप्त होगी है, यदि ऐसा है तो उनका ब्योरा दें।
.....
8. क्या संगठन को किसी कार्यक्रम के लिए केन्द्रीय सरकार से सहायता प्राप्त होती है, यदि ऐसा है, तो उसका ब्योरा दें
.....
9. क्या संगठन को किसी कार्यक्रम के लिए राज्य सरकार की सहायता प्राप्त होती है, यदि ऐसा है, तो प्रत्येक अनुदान के संबंध में रकम वर्ष और प्रयोजन सहित अलग-अलग ब्योरा दें।
.....
10. क्या संगठन को केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड या राज्य समाज कल्याण बोर्ड से अनुदान प्राप्त होता है। यदि ऐसा है तो प्रत्येक अनुदान के संबंध में रकम वर्ष और प्रयोजन सहित अलग-अलग ब्योरा दें।
.....
11. क्या संगठन को भारत के या किसी अन्य विदेशी संगठन से नकद या वस्तु के रूप में अनुदान मिलता है। यदि ऐसा है, तो उनका ब्योरा दें।
.....
12. उस प्रस्थापित प्रस्ताव का ब्योरा दें, जिसके लिए शिशु कक्ष निधि से सहायता मांगी जा रही है।
.....

13. ऐसे कार्यक्रमों/सेवाओं को योजना और क्रियान्वयन के संबंध में संगठन को विशेषज्ञता/अनुभव
विशेषज्ञता/अनुभव
14. राष्ट्रीय शिशु कक्ष निधि से मांगी गई अनुदान रकम
राष्ट्रीय शिशु कक्ष निधि से मांगी गई अनुदान रकम
15. आवेदन पत्र के साथ संगत दस्तावेजों/विवरणों की अनुप्रमाणित प्रतियां
आवेदन पत्र के साथ संगत दस्तावेजों/विवरणों की अनुप्रमाणित प्रतियां
- (i) रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र
रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र
- (ii) संगठन का संविधान ज्ञापन अनुच्छेद और लक्ष्य तथा उद्देश्य
संगठन का संविधान ज्ञापन अनुच्छेद और लक्ष्य तथा उद्देश्य
- (iii) अंतिम दो वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट (प्रत्येक वर्ष की अलग रिपोर्ट), इस रिपोर्ट में शुरू किए गए प्रत्येक कार्यक्रम और वस्तुतः प्राप्त लक्ष्यों का संक्षिप्त विवरण होना चाहिए। परियोजना/क्रियाकलापों के स्थान का भी उल्लेख होना चाहिए
अंतिम दो वर्षों की वार्षिक रिपोर्ट (प्रत्येक वर्ष की अलग रिपोर्ट), इस रिपोर्ट में शुरू किए गए प्रत्येक कार्यक्रम और वस्तुतः प्राप्त लक्ष्यों का संक्षिप्त विवरण होना चाहिए। परियोजना/क्रियाकलापों के स्थान का भी उल्लेख होना चाहिए
- (iv) प्रबंध बोर्ड कार्यकारिणी समिति के वर्तमान सदस्यों /पदाधिकारियों की सूची, समिति के गठन की तारीख तथा वर्तमान कालावधि, (तारीख लिखें)
प्रबंध बोर्ड कार्यकारिणी समिति के वर्तमान सदस्यों /पदाधिकारियों की सूची, समिति के गठन की तारीख तथा वर्तमान कालावधि, (तारीख लिखें)
- (v) संगठन के कर्मचारिवृत्त (नाम, वेतनमान, वर्तमान उपलब्धियों का उल्लेख करें)
संगठन के कर्मचारिवृत्त (नाम, वेतनमान, वर्तमान उपलब्धियों का उल्लेख करें)
- (vi) सम्पूर्ण संगठन के लेखों का लेखापरीक्षित विवरण
सम्पूर्ण संगठन के लेखों का लेखापरीक्षित विवरण
- (क) तुलन-पत्र (ख) आय और व्यय का लेखा, और (ग) बार्टर्ड एकाउन्टेड या सरकारी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित प्राप्त और संदाय खाता अंतिम दो वर्षों की विवरणियों प्रस्तुत की जानी चाहिए
तुलन-पत्र (ख) आय और व्यय का लेखा, और (ग) बार्टर्ड एकाउन्टेड या सरकारी लेखापरीक्षक द्वारा प्रमाणित प्राप्त और संदाय खाता अंतिम दो वर्षों की विवरणियों प्रस्तुत की जानी चाहिए
- (vii) कोई अन्य दस्तावेज जो संगठन एलान करना चाहे
कोई अन्य दस्तावेज जो संगठन एलान करना चाहे
- स्थाना संगठन के सचिव के हस्ताक्षर
तारीख नाम

*टिप्पणः— किसी भी सूचना को छिपाने या गलत सूचना प्रस्तुत करने पर मंजूरी निरस्त की जा सकती है, अनुदान की बसूली और/या विधि के अधीन अन्य कार्रवाई की जा सकती है।

परिशिष्ट -III

राष्ट्रीय शिशु-कक्ष निधि

साधारण प्रवर्ग के शिशु कक्षों के लिए सहायता का योजनावत् पैटर्न

क्रम सं.	अनुज्ञेय अनुदान	व्यय की अधिकतम सीमा	अनुदान
I. आवर्ती अनुदान			
1.	प्रति शिशु कक्ष के दो शिशु कक्ष कर्मचारियों को मानदेय	800 रु. प्रति मास	800 रु. प्रति मास (100%)
2.	प्रति शिशु-कक्ष (25 बच्चों के लिए) 105 पैसे प्रति दिन की दर से (26 दिनों के लिए पोषण)	687 रु. प्रति मास	615 रु. प्रति मास (90%)
3.	आकस्मिक व्यय और आपात औषध प्रति मास प्रति शिशु कक्ष	139 रु. प्रति मास	125 रु. प्रति मास (90%)
	कुल		1540 रु. प्रति मास

II. अनावर्ती अनुदान

शिशुकक्ष की स्थापना हेतु प्रारम्भिक लागत को पूरा करने के लिए 4000 रु.

परिशिष्ट-IV

राष्ट्रीय शिशुकक्ष निधि

आंगनवाड़ी सह शिशुकक्ष केन्द्रों के लिए सहायता की योजनाबद्ध पैटर्न

क्रम सं. अनुदान हेतु अनुज्ञेय आवर्ती अनुदान

अनुदान

I. आवर्ती अनुदान

(1) प्रति शिशुकक्ष दो शिशुकक्ष कार्यकर्ताओं को मानदेय	600 रु. प्रति मास (100%)
(2) आकस्मिक और आपात औषधियां प्रतिमास	75 रु. प्रति मास (100%)
कुल	675 रु. प्रति मास

II. अनावर्ती अनुदान : शिशुकक्ष की स्थापना हेतु प्रारम्भिक लागत को पूरा करने के लिए 4000 रु.

परिशिष्ट-V

शिशुकक्ष कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और 40 शिशुकक्ष कार्यकर्ताओं के लिए प्रति पाठ्यक्रम

बजट प्राक्कलन

आवर्ती

(रुपए में)

1. प्रशिक्षणार्थियों को यात्रा भत्ता	$100 \times 40 = 4000.00$
2. प्रशिक्षणार्थियों को वृत्तिका और मानदेय	$350 \times 40 = 14000.00$
3. भाग लेने वाले प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी 100 रु. की दर से किराए	$100 \times 40 = 4000.00$
4. क्षेत्रीय निरीक्षण/नियोजक के लिए बाह्य प्रभार	1000.00
5. अनिवार्य वक्ताओं/अंशकालिक कर्मचारियों को मानदेय	1000.00
6. लेखन सामग्री, डाक महसूल तार तथा अन्य प्रशासनिक व्यय	500.00
7. पुस्तकें, खेल सामग्री और समाचार पत्र	200.00
8. आकस्मिक व्यय	500.00

25,200.00

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of women and child Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st March, 1994

In the matter of the Charitable Endowments Act, 1890

AND

In the matter of the National Creche Fund

S.O. 236(E).—Whereas the Secretary to the Government of India, Department of Women and Child Development, Ministry of Human Resource Development, being the person who proposes to apply the funds of the National Creche Fund, New Delhi, in trust for charitable purposes, has applied for vesting the funds mentioned in Schedule A annexed hereto in the Treasurer of Charitable Endowments for India and for the settlement of a scheme for the administration of the said funds;

Now, therefore, the Central Government in exercise of the powers conferred by sections 4 and 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), and upon the application as aforesaid, and with the concurrence of the Secretary to the Government of India, Department of Women and Child Development, Ministry of Human Resource Development, do hereby order that the moneys set out in Schedule A annexed hereto shall, as from the date of publication of this notification, be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office upon trust to hold the said moneys and the income thereof in accordance with the trust and terms set out in the Scheme set forth in Schedule B, annexed hereto for the administration of the said funds;

And it is hereby notified that the Scheme set forth in Schedule B annexed hereto has, under sub-section (1) of section 5 of the said Act, been settled for administration of the said funds and under sub-section (3) of section 5 of the said Act, it is hereby further ordered that it shall come into force with immediate effect.

SCHEDULE A

Contribution of rupees nineteen crores ninety lakhs provided out of the plan budget of the Department of Women and Child Development, Government of India towards the funds of the National Creche Fund.

SCHEDULE B

Scheme for the administration of the National Creche Fund.

1. This Scheme may be called the National Creche Fund Scheme, 1994.

2. Name of the fund : There shall be a fund called the National Creche Fund.

3. Definitions : In this Scheme, unless the context otherwise requires,

(a) "Board" means the Board of Management constituted under paragraph 6 of this Scheme;

(b) "Fund" means the National Creche Fund.

4. Objects of the Fund : the objects of the Fund shall be :

(i) to administer and apply the funds of the Fund to pay grants-in-aid to registered voluntary organisations, mahila Mandals and State Governments to implement creche programmes specially in rural areas and rural slums for welfare and development of children below the age of 5 years, whose parents income does not exceed Rs. 1800 per mensem, children of agricultural labourers, Scheduled Castes and Scheduled Tribes and of women employed in employment generating schemes such as Support to Training and Employment Programme for Women (STEP) and Norwegian Agency for International

Development (NORAD) and children of families who were victims of communal violence;

(ii) to convert some of the Anganwadis into Anganwadi-cum-Creches;

(iii) to organise programmes for Training/Refresher Courses for creche workers through specialised training institutions;

(iv) to take up activities which promote the above objectives and to do all other things that are incidental or conducive to the above objectives.

5. Extent : The objectives of the Fund shall extend to the whole of India except the State of Jammu & Kashmir.

6. Board of Management : For the management and administration of funds of the Fund, a Board of Management shall be constituted consisting of the following members, namely :—

Chairman (Ex-officio) :

(a) Minister of State for Women and Child Development.

Working Chairman :

(b) Secretary, Department of Women and Child Development.

Other members :

(c) Joint Secretary in charge of Nutrition and Child Development, Department of Women and Child Development.

(d) Joint Secretary, Department of Expenditure, Ministry of Finance, Government of India.

(e) Director, National Institute of Public Cooperation and Child Development.

(f) Executive Director, Central Social Welfare Board.

Member-Secretary :

(g) Deputy Secretary/Director of the Department of Women and Child Development, in charge of Creche Scheme.

7. Quorum : (1) The quorum for a meeting of the Board shall be four members. (2) Every decision of the Board at a meeting shall be determined by a majority of votes of the members present and voting on the question and in case of equality of votes, the Chairman shall have a casting vote.

8. Conduct of business of the board :

(1) The Board may function notwithstanding any vacancy in its constitution.

(2) Subject to the provisions herein contained, the Board may, with the previous approval of the Central Government, frame, and vary from time to time, as they think fit, bye-laws for the conduct of their business.

9. Vesting of assets : The assets of the Fund shall be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India.

10. Framing of bye-laws : The Board may from time to time, with the previous approval of the Central Government, make bye-laws :—

(i) for the regulation, management, appointment of officers and their terms and conditions and for any other purpose connected with the execution and management of the funds of the Fund ; and

(ii) for the conduct of business of the Board.

11. Investments : (a) The Board shall invest the proceeds of the sale or other disposal of the property as well as any moneys or property not immediately required to be used for the objects of the Fund in any one or more of the modes of investment for the time being authorised by law for the

investment of the trust money as the Board may think proper.

(b) Short term investments of the funds not required immediately may be invested in fixed deposits/Certificate of Deposit in Nationalised Banks or such other scheme as may be decided by the Board.

12. Delegation of Powers : (1) The Board may delegate any of its powers excluding the power to frame bye-laws to any one or more members of the Board.

(2) The Board may also delegate to one or more of the members such of their powers as may, in the opinion of the Board are merely ministerial acts and involve no discretion or are necessary and conformable to common usage.

13. Member-Secretary to keep accounts : Regular accounts of the moneys in the Fund shall be kept by the Member-Secretary.

14. Contracts : All contracts and other assurances shall be executed in the name of the Board and signed on their behalf by the Joint Secretary, in charge of Nutrition and Child Development, Department of Women and Child Development or any other Member duly authorised by the Board.

15. Receipt of additional endowments : (1) The Board may receive any endowment, donation or other contributions in augmentation of any one of the objects and general purpose of the Fund.

(2) The Board may also receive endowments, donations or other contributions for any special purposes connected with this Scheme not inconsistent with or calculated to impede the due working of the provisions of this Scheme.

16. Eligibility for financial assistance : The State Governments, voluntary organisation or Mahila Mandal with a known record of service in the field of child welfare and registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860) or Registered as a Public Trust at least for the last two years will be eligible for applying for financial assistance from the Fund.

17. Application to Board : All applications for financial assistance from the Fund by voluntary organisations and Mahila Mandals shall be in the Form specified in Appendix II annexed to this Scheme.

18. Limitation to financial assistance : (1) The financial assistance to the voluntary organisations, State Governments and Mahila Mandals shall be limited to Rs. 18,480 per creche per annum (for a maximum of 25 children) towards recurring expenditure for running General Creche Centres and Rs. 8,100 per Creche per annum for running Anganwadi-cum-Creche Centres.

(2) A one time non-recurring grant of Rs. 4,000 per creche will be allowed to meet the initial cost of establishing a Creche.

(3) The Government assistance for the Creches opened under General Category will be limited to 90 per cent of the schematic pattern (except honorarium of Creche Workers) or the actual expenditure whichever is less and the remaining expenditure will have to be borne by the organisation/Mahila Mandal concerned.

(4) Anganwadi-cum-Creche Centres will be run by the agencies which run Integrated Child Development Services (ICDS).

(5) The schematic pattern of assistance for both category of Creches is as specified in Appendices III and IV annexed to this Scheme.

19. Programmes eligible for financial assistance : Programmes that are eligible for assistance under the various labour laws shall not ordinarily qualify for any financial assistance under this Scheme.

20. Consideration of Application : All applications for financial assistance from the National Creche Fund shall be considered and disposed of by the Board, and where the Board is not meeting early for any reason, the application

so received may be considered and disposed of by a Committee consisting of the Working Chairman and two other members to be nominated by the Chairman of the Board.

Provided that before any such application is so considered, the Working Chairman may, if he thinks it necessary so to do, refer such application to the State Government concerned or any other body for expressing its views thereon.

21. Power to stop grant : The Working Chairman or Chairman of the Board, if he thinks it necessary so to do, and for reasons to be recorded in writing may withhold or reduce any undisbursed grants, whether of recurring or a non-recurring nature, made under the Scheme.

22. Conditions of financial assistance : It shall be the condition of financial assistance to any voluntary organisation or Mahila Mandal, that the voluntary organisation or Mahila Mandal, as the case may be, maintained a separate account of all the grants, renders a full account of the grants within the stipulated time, furnishes utilisation certificate at the time specified in this behalf, makes available audited accounts of the grants received within the stipulated time, and assists the officers of the Creche Fund or such other Officers who may be so authorised in this behalf in the inspection of the programmes executed or books maintained by such organisation.

23. Duration of Membership : A member of the Board shall cease to be a member if he dies or resigns his membership or becomes of unsound mind or insolvent or is convicted of a criminal offence involving moral turpitude.

24. Meetings of the Board : (1) The meetings of the Board shall be presided over by the Working Chairman or in his absence the Chairman.

(2) The Board shall meet as often as it is necessary to do so for the transaction of business of the Fund and in any case at least once a year.

25. Powers and Functions of Member Secretary : It shall be duty of the Member Secretary :

- (a) to be the custodian of all records of the Board;
- (b) to conduct the official correspondence on behalf of the Board;
- (c) to issue all notices for convening the meetings of the Board;
- (d) to keep minutes of all meetings of the Board and of such bodies, the responsibilities for convening whose meetings rest with him;
- (e) to manage the properties and funds of the Fund, to maintain accounts and execute all contracts on behalf of the Board;
- (f) to exercise all other powers and execute such other functions as may be assigned to him by the Board.

26. Assets of the Fund : In addition to the money the particulars of which are given in Schedule A to this notification, the assets of the Fund shall include all such grants and contributions, recurring and non-recurring from the Central Government and State Governments, local bodies or any other statutory or non-statutory bodies set up by the Central Government or the State Governments as well as voluntary donations and endowments from any other sources, whenever received.

17. Allocation of funds : The Board may, from time to time, determine the proportion of the total funds at its disposal which shall be applied for the purpose of this scheme in a particular financial.

28. Deposit of funds : All moneys of the Fund shall be credited initially to the account of the Board to be opened in the State Bank of India or any of its subsidiaries or in any nationalised Bank.

29. Withdrawal of funds : (1) Withdrawal of funds from the accounts of the Board of the Fund shall be regulated in a manner to be determined by the Board.

(2) Such withdrawals shall be made by cheques or requisitions (as the case may be) signed by the Member Secretary in the case of amounts not exceeding rupees five thousand and duly signed by the Member Secretary and another member of the Board to be nominated by the Board in other cases.

30. Administrative Expenses : Administrative expenses incurred by the Board such as expenditure incurred on salaries, allowances and Travelling Allowances and Daily Allowances of their officers and staff and Travelling Allowances and Daily Allowances of the members, shall be a legitimate charge on the funds of the Fund.

31. Appointment of staff : (1) The Board may appoint such staff as they may consider necessary for the discharge of their functions.

(2) The terms and conditions of service of the staff may be determined by bye-laws made by the Board.

32. Remuneration to members and officers : (1) No remuneration shall be paid to any of the members of the Board except travelling and daily allowance at rates to be determined by the Board.

(2) Official members of the Board will draw travelling and daily allowance as admissible to them from the source from which they draw their salaries.

(3) Non-official members of the Board and its officers staff such be entitled to draw such remuneration and travelling and other allowances as may be specified by the Board by bye-laws made by it.

33. Accounts and Audit : (1) Regular accounts shall be kept of all moneys and properties and of incomes and expenditure of the Fund and shall be audited by a firm of Chartered Accountants or any other recognised authority as may be appointed by the Board. The auditors shall also certify that the expenditure from the funds of the Fund has been correctly incurred in accordance with the objects of the Fund.

(2) Copies of the annual accounts of the Fund duly audited and certified by the auditor shall be submitted by the Member Secretary of the Board to the Government of India every year.

34. Annual Reports : An annual report on the working of the Creche Fund of every year shall be prepared by the Member Secretary of the Board and shall, after approval of the Board, be presented to the Government of India.

35. The general guidelines for preparing proposals under the Fund shall be as per Appendix I.

[F. No. 1-8/91-WNC]

MEENAXI ANAND CHAUDHRY, Jt. Secy.

APPENDIX I

Guidelines for preparing proposals under Creche Fund

(See para 35)

National Creche Fund aims at sanctioning grants to voluntary organisations, Mahila Mandals and State Governments
738 GI/94-3.

largely out of interest accrued on the corpus of the Fund and partially out of a small portion of the corpus Fund.

2. Assistance under the Creche Fund will be given for the children belonging to the poorer sections of society. Children of the parents whose monthly income does not exceed Rs. 1800 per month will be eligible for coverage.

3. Assistance under the Fund is not available for the children of those parents who are already getting such facilities under the various labour laws and where creches exist under the existing Creche Scheme.

4. Assistance shall be given for two types of Creches under the Scheme i.e. (i) General Creche Centres (ii) Anganwadi-cum-Creche Centres and for training and refresher courses of Creche Workers as per schematic pattern at Appendices III, IV and V annexed to this Scheme.

5. (1) Voluntary organisations and Mahila Mandals selected for opening of Creches will be sanctioned a grant of Rs. 18,480 per Creche per annum (maximum 25 children) towards recurring expenditure under General Category, and Rs. 8,100 per creche per annum for running Anganwadi-cum-Creche Centres.

(2) A non-recurring grant of Rs. 4,000 to meet the initial cost of establishing the Creche will also be sanctioned.

6. (1) The assistance for the Creches opened under General Category will be limited to 90 percent of the schematic pattern (except honorarium of Creche Workers) or the actual expenditure whichever is less.

(2) In case of Anganwadi-cum-Creche Centre, 100 percent financial assistance will be provided to the concerned agency.

7. Creches opened under General Category will be required to provide day care facilities, nutrition, pre-school education, entertainment and medical facilities and they will normally work for 8 hours a day.

8. (1) The existing Anganwadi Centres proposed to be converted into Anganwadi-cum-Creche Centres presently working for 4 hours would also be working for eight hours.

(2) Additional worker will be provided for running the Anganwadi Centres for the remaining 4 hours.

9. Applications for grant in the proforma annexed hereto and accompanied by the following documents should be sent to the Member-Secretary, National Creche Fund, c/o Department of Women and Child Development, 1st Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi-110001

(i) A copy (preferably photo copy) of the registration certificate duly attested by a Gazetted Officer.

(ii) A copy of Memorandum of Association/Bye-Laws of the Organisation duly signed/attested by the applicant.

(iii) List of members of the managing committee with their qualifications and occupations.

(iv) Copies of annual reports and audited statements of accounts for the last two years duly signed/attested by the applicant.

NATIONAL CRECHE FUND

(Sec para 17)

Department of Women & Child Development

Jeeven Deep Building, New Delhi

APPLICATION FORM

1. Name and address of organisation
2. Nature of the organisation
3. Date of establishment of the organisation
4. Brief history and a brief account of the activities of the organisation since its inception
5. Whether the organisation is registered under any law for the time being in force? If so, the details thereof.
6. Whether the organisation is of a National/State/District level.
7. Whether the organisation is in receipt of organisational assistance from the Department of Women & Child Development or the Ministry of Welfare of the Government of India? If so, details thereof.
8. Whether the organisation is in receipt of assistance from the Central Government for any Programme? If so, details thereof
9. Whether the organisation is in receipt of assistance from the State Government for any programme? If so, details thereof including amount, year and purpose separately for each grant
10. Whether the organisation receives grant from Central Social Welfare Board or State Social Welfare Board? If so, details thereof, including amount, year and purpose separately for each grant
11. Whether the organisation receives grant in cash or kind from any other organisation in India or in a foreign country? If so, details thereof
12. Details of the proposed proposal for which assistance is sought from the Creche Fund
13. The expertise/experience that the organisation has in planning and implementing such programmes/services
14. Amount of grant sought from National Creche Fund
15. Attested copies of documents/statements to be attached with the application
- (i) Registration certificate

- (ii) Constitution of the organisation, articles of memorandum, and aims and objectives
- (iii) Annual reports of last two years (a separate report for each year). This report should briefly describe each programme undertaken and the physical targets achieved for each. The location of the projects/activities should also be mentioned.
- (iv) List of present members/office bearers of the Board of Management/Executive Committee, date on which it was constituted, present tenure (give dates)
- (v) Staff of the organisation (give names, scale of pay, present emoluments)
- (vi) Audited statement of accounts of the entire organisation; (a) balance sheet (b) income and expenditure account; and (c) receipt and payment account certified by a Chartered Accountant or a Government Auditor. The statements should be furnished for the last two years.
- vii) Any other papers the organisation would like to attach

(*)

Place-

Signature of Secretary of the organisation

Date-

Name-

*) Note:

Withholding of any information or furnishing incorrect information can lead to cancellation of sanction, recovery of grant and/or other action under the law.

APPENDIX III

NATIONAL CRECHE FUND

Schematic Pattern of assistance for General Category Creches

Sl. No.	Grant admissible	Ceiling of expenditure	Grant
I Recurring Grant			
1.	Honorarium to two creche workers per creche	Rs. 800 p.m.	Rs. 800 p.m. (100%)
2.	Supplementary nutrition per creche (for 25 children @105 paise per day) for 26 days	Rs. 687 p.m.	Rs. 615 p.m. (90%)
3.	Contingencies and emergency medicines per month per creche	Rs. 139 p.m.	Rs. 125 p.m. (90%)
	TOTAL		Rs. 1540 p.m.
II Non-recurring grant:			
		Rs. 4,000 to meet the initial cost of establishing the creche	

APPENDIX IV

NATIONAL CRECHE FUND

(Schematic pattern of assistance for Anganwadi-cum-creche centres)

Sl. Recurring grant admissible for grant	Grant
I Recurring Grant	
1. Honorarium to two creche workers per creche	Rs. 600 p.m. (100%)
2. Contingencies and emergency medicines per month	Rs. 75 p.m. (100%)
TOTAL	Rs. 675 p.m.
II Non Recurring Grant	Rs. 4,000/- to meet the initial cost of establishing the creche.

APPENDIX V

TRAINING OF CRECHE WORKERS BUDGET ESTIMATES PER COURSE
OF 40 CRECHE WORKERS

RECURRING		(in Rs.)
1. Travelling Allowance to Trainees	100 × 40 =	4000.00
2. Stipend & Honorarium to trainees	350 × 40 =	14000.00
3. Trainees Kit Rs. 100 per participant	100 × 40 =	4000.00
4. Conveyance charges for field visits/placement		1000.00
5. Honorarium to Guest Speakers/part-time staff		1000.00
6. Stationery, postage, telegram and other administrative expenses		500.00
7. Books, play materials and Newspapers		200.00
8. Contingencies		500.00
TOTAL		25,200.00